

संख्या

संख्या

24/5/18

पत्रावली राजपूत लोक उद्वेगन पुस्तक को
 कलकत्ता में प्रेषित हुई। पत्रावली का उद्वेगन
 लोक उद्वेगन की भावना से किया गया। पत्रावली
 को तलवारों के साथ करके इसे अनेक उद्वेगन
 दिए जाने के वाक्य भी उद्वेगन के साथ
 किया गया। अनेक पत्रों का उद्वेगन उद्वेगन
 में धारित किया गया है। पत्रावली के
 प्रमाणों के लिए नमस्कार है।

Web Copy - Not Original

MAAD प्रमुख

संसाधन कलक्टर एवं कार्यपालक दफ्तरीय
 साँभर लोक (जयपुर)